



भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 14—नवम्बर 20, 2009 (कार्तिक 23, 1931)
No. 46] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 14—NOVEMBER 20, 2009 (KARTIKA 23, 1931)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]
[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिज़र्व बैंक

मुंबई, दिनांक 16 अक्टूबर 2009

भारतीय प्रतिभूतियाँ--प्रतिभूतियों के पंजीकृत ब्याज और मूलधन का पृथक व्यापार (स्ट्रिप्स)

आंत्रग्रवि.डीओडी. 1762/2009-10--सरकारी प्रतिभूति अधिनियम 2006 की धारा 2(i) के साथ पठित उसी अधिनियम की धारा 11(2) के स्पष्टीकरण द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक एतद्वारा अधिसूचित करता है कि सरकारी प्रतिभूतियों का स्ट्रिपिंग/पुनर्गठन निम्नलिखित विशिष्ट शर्तों के अधीन होगा :--

I. परिभाषा

- (क) स्ट्रिप्स(प्रतिभूतियों के पंजीकृत ब्याज और मूलधन का पृथक व्यापार) भिन्न, पृथक प्रतिभूतियाँ हैं जो सरकारी प्रतिभूति के नकदी प्रवाह से सृजित होती हैं तथा निम्नलिखित से बनती हैं :--
- कूपन स्ट्रिप्स, जहां स्ट्रिप का एकल नकदी प्रवाह मूल प्रतिभूति के कूपन प्रवाह का प्रतिनिधित्व करता है।
 - मूल स्ट्रिप, जहां स्ट्रिप का एकल नकदी प्रवाह मूल प्रतिभूति के मूल नकदी प्रवाह का प्रतिनिधित्व करता है।

स्पष्टीकरण : प्रतिभूति की स्ट्रिपिंग के परिणामस्वरूप बकाया कूपन भुगतान तथा एक मूल स्ट्रिप के मोचन भुगतान होंगे । तदनुसार प्रत्येक स्ट्रिप "शून्य कूपन बॉण्ड" बन जाएगी क्योंकि परिपक्वता पर उसका केवल एक नकदी प्रवाह होगा । प्रत्येक स्ट्रिप एक भिन्न सरकारी प्रतिभूति होगी और उसकी एक भिन्न अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआइएन) होगी ।

- (ख) "स्ट्रिपिंग" का अर्थ है, नियमित सरकारी प्रतिभूति से जुड़े नकदी प्रवाह को पृथक करने की प्रक्रिया अर्थात् प्रत्येक बकाया अर्ध वार्षिक कूपन भुगतान तथा अंतिम मूलधन के भुगतान को पृथक प्रतिभूतियों में परिवर्तित करना ।
- (ग) "पुनर्गठन" का अर्थ है, स्ट्रिपिंग की विपरीत प्रक्रिया, जहाँ स्ट्रिप्स, अर्थात् कूपन स्ट्रिप्स और मूल स्ट्रिप्स दोनों, को फिर से मूल प्रतिभूति बनाने के लिए दुबारा इकट्ठा किया जाता है ।
- (घ) "प्राधिकृत संस्था" का अर्थ वह प्राथमिक व्यापारी अथवा अन्य कोई संस्था है जिसकी पहचान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों के धारक से प्रतिभूतियों की स्ट्रिपिंग/ पुनर्गठन के लिए उनके धारकों से अनुरोध स्वीकार करके भारतीय रिजर्व बैंक को प्रस्तुतकर्ता के रूप में की गई है ।

II. स्ट्रिप्स के लिए शर्तें :

- सरकारी प्रतिभूतियों की स्ट्रिपिंग/पुनर्गठन की प्रक्रिया भारतीय रिजर्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय में पीडीओ-एनडीएस (तयशुदा लेन-देन प्रणाली) में की जाएगी ।
- सभी दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियाँ, अस्थायी दर बॉण्ड के अतिरिक्त, जिनकी कूपन भुगतान की तारीख 2 जनवरी तथा 2 जुलाई है, परिपक्वता का वर्ष चाहे कोई भी हो, स्ट्रिपिंग/पुनर्गठन की पात्र होंगी ।
- उसी परिपक्वता तारीख वाली सभी कूपन स्ट्रिप्स की आईएसआइएन वही होगी, चाहे निहित प्रतिभूति कोई भी हो, जिससे ब्याज का भुगतान अलग किया जा रहा है तथा उसी नकदी प्रवाह की कूपन स्ट्रिप्स प्रतिमोच्य (आपस में अदला-बदली होने वाली) होंगी । कूपन स्ट्रिप्स की आईएसआइएन मूल स्ट्रिप्स के आईएसआइएन से भिन्न होगी, चाहे उनकी परिपक्वता तारीख वही हो, तथा वे प्रतिमोच्य नहीं होंगी ।
- धारक के विकल्प पर स्ट्रिपिंग/पुनर्गठन सरकारी प्रतिभूति जारी करने की तारीख से उसकी परिपक्वता तक कभी भी किया जा सकता है ।
- स्ट्रिपिंग/पुनर्गठन केवल उन पात्र सरकारी प्रतिभूतियों के लिए अनुमत होगा जो लोक ऋण कार्यालय, भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई के पास सहायक सामान्य खाता वही (एसजीएल)/ग्राहकों की सहायक सामान्य खाता वही (सीएसजीएल) खाते में रखी गई हो । प्रत्यक्ष प्रतिभूतियाँ स्ट्रिपिंग/पुनर्गठन की पात्र नहीं होंगी ।
- सरकारी प्रतिभूतियों के धारक स्ट्रिपिंग/पुनर्गठन के लिए अपना अनुरोध केवल "प्राधिकृत संस्थाओं" के समक्ष रखेंगे ।
- रिजर्व बैंक स्ट्रिपिंग/पुनर्गठन के लिए कोई शुल्क प्रभारित नहीं करेगा ।
- स्ट्रिपिंग/पुनर्गठन के लिए प्रस्तुत की जा सकने वाली प्रतिभूतियों की न्यूनतम राशि 1 करोड़ रु. अथवा उनके गुणजों में होनी चाहिए ।
- ये शर्तें अधिसूचना की तारीख से प्रभावी होंगी ।

एच. आर. खान
कार्यपालक निदेशक

सरकारी और बैंक लेखा विभाग
केन्द्रीय कार्यालय
क्लेम सेक्शन
मुंबई, दिनांक 23 अक्टूबर 2009

भारत सरकार के राजपत्र में 20 अप्रैल 1946 को प्रकाशित तथा 29 अप्रैल 1954 की अधिसूचना सं. एफ. (8) 70/बी 52 और भारत सरकार के दिनांक 21 फरवरी, 1990 के धारण राजपत्र सं. 67 के अंतर्गत यथा संशोधित लोक ऋण अधिनियम 1944 की धारा 28 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा बनाए गए लोक ऋण नियमावली 1946 के नियम 18 के अनुसर्ग सितंबर 2009 को समाप्त माह के लिए निम्नलिखित सूची खो गई आदि ऐसी प्रतिभूतियों के बारे में एतद्वारा विज्ञापित की जाती है, जिसके संबंध में इस बात का विश्वास करने के लिए प्रथम दृष्टया आधार मौजूद है कि प्रतिभूतियां खो गयी हैं और आवेदकों का दावा न्यायोचित है। नीचे लिखे गये संबंधित दावेदारों से इतर सभी व्यक्ति जिनका प्रतिभूतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, तत्काल महा प्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा विभाग, केन्द्रीय ऋण प्रभाग, मुंबई 400 008 को संसूचित करें। सूची दो भागों में विभाजित की गई है। भाग "क" में अभी पहली बार विज्ञापित प्रतिभूतियां शामिल की गई हैं और भाग "ख" में पूर्व विज्ञापित प्रतिभूतियों की सूची दी गई है।

सूची "क"

ऋण का नाम	प्रतिभूतियों की सं.	मूल्य	जिस व्यक्ति के नाम जारी किया	वकाया व्याज की तिथि	प्रतिभूति के भुगतान के लिए दावेदार का नाम	प्रतिनिधि आदेश तिथि तथा संख्या
1.	2	3	4	5	6	7
3% परिवर्तनीय ऋण 1946	BY 354337	700.00	श्री. वज खेडावल उदयाभिलाषी मंडल, महूदा, खेडा	अक्टूबर 1967	श्री. वज खेडावल उदयाभिलाषी मंडल, महूदा, खेडा	महाप्रबंधक (बैंकींग) ऑर्डर न 1041 दिनांक 25/09/2009
"-	BY 354338	1,000.00	"-	"-	"-	"-
"-	BY 354339	1,000.00	"-	"-	"-	"-
"-	BY 354340	2,000.00	"-	"-	"-	"-
"-	BY 405805	100.00	"-	"-	"-	"-
"-	BY 405806	100.00	"-	"-	"-	"-
"-	BY 405807	1,000.00	"-	"-	"-	"-
"-	BY 405808	1,000.00	"-	"-	"-	"-
"-	BY 405809	1,000.00	"-	"-	"-	"-

एस. एम. माने
प्रबंधक

न्यासी भारतीय खाद्य निगम

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 अक्टूबर 2009

सं. सीपीएफ.v/21(3)/2008-09/

भारतीय खाद्य निगम, अंशदायी भविष्य निधि विनियम, 1967 के विनियम-5 में विद्यमान प्रावधान के अनुसार निगम के अंशदायी भविष्य निधि को संचालित करने के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक निम्नलिखित प्रतिनिधियों को अधिसूचना की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए सहर्ष नामित करते हैं।

क्रम सं.	नाम व पदनाम	उस कार्यालय का नाम, जहां कार्यरत है
1.	श्री एस.के.यादव, सहायक महाप्रबंधक(सतर्कता)	भारतीय खाद्य निगम, मुख्यालय, नई दिल्ली (एफसीआई आफिसर्स एसोसियशन)
2.	श्री बी.एम. देसाई, प्रबंधक(लेखा)	भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद (बीकेएनके संघ)
3.	श्री बेरन बर्मन, तकनीकी सहायक -I	भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी(बीकेएनके संघ)
4.	श्री स्वप्न कुमार साहा, प्रबंधक (सामान्य)	भारतीय खाद्य निगम, आंचलिक कार्यालय(पूर्व) कोलकाता (बीकेएनके संघ)
5.	श्री एम. इन्दु शेखर, सहायक श्रेणी-II (डिपो)	भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई (एफसीआई एक्जीक्यूटिव स्टॉफ यूनियन)
6.	श्री भीमराव धनाबाजी घोटे	ट्रांसपोर्ट एंड डॉक वर्कर्स यूनियन, मुंबई
7.	श्री चन्द्रेश्वर सिंह	कोषाध्यक्ष, एफसीआई हैंडलिंग वर्कर्स यूनियन, एफएसडी, नरेला, दिल्ली -40
8.	श्री पी.के. नायक	भारतीय खाद्य निगम, वर्कर यूनियन, नई दिल्ली

आर. आर. अग्रवाल
सचिव, सीपीएफ न्यासी बोर्ड

RESERVE BANK OF INDIA

Mumbai, the 16th October 2009

Government Securities -
Separate Trading of Registered Interest and Principal of Securities (STRIPS)

IDMD.No.1762/2009-10

In exercise of the powers conferred vide explanation to section 11(2) of the Government Securities Act, 2006 read with section 2(i) of the Act, *ibid*, the Reserve Bank of India hereby notifies that stripping/reconstitution of Government securities shall be subject to the terms and conditions specified herein:

I. Definitions

a) "STRIPS" (Separate Trading of Registered Interest and Principal of Securities) are distinct, separate securities that are created from the cash flows of a Government security and shall consist of -

- (i) Coupon STRIPS, where the single cash flow of the STRIP represents a coupon flow of the original security
- (ii) Principal STRIP, where the single cash flow of the STRIP represents the principal cash flow of the original security.

Explanation: Stripping of a security shall result in Coupon STRIPS for all outstanding coupon payments and one Principal STRIP for the redemption payment. Each STRIP accordingly becomes a zero coupon bond since it has only one cash flow at maturity. Each STRIP shall be a distinct Government security and shall have a separate and distinct International Securities Identification Number (ISIN).

- b) "Stripping" means the process of separating the cash flows associated with a regular Government security i.e., each outstanding semi-annual coupon payment and the final principal payment into separate securities.
- c) "Reconstitution" means the reverse process of stripping, where the individual STRIPS i.e., both coupon STRIPS and Principal STRIPS are reassembled to get back the original security.
- d) "Authorized entity" means a Primary Dealer or any other entity recognized by the RBI to accept requests from the holders of Government securities for stripping/reconstitution of the securities and submission to the RBI.

II. Terms and Conditions for STRIPS

1. The process of stripping/reconstitution of Government securities shall be carried out at RBI, Public Debt Office in the PDO-NDS (Negotiated Dealing System).

2. All dated Government securities other than floating rate bonds having coupon payment dates on 2nd January and 2nd July, irrespective of the year of maturity shall be eligible for stripping/reconstitution.
3. All Coupon STRIPS with the same maturity date shall have the same ISIN, regardless of the underlying security from which the interest payments were stripped, and coupon STRIPS of the same cash flow shall be fungible (interchangeable). The ISIN of Coupon STRIPS shall be different from the ISIN of Principal STRIPS, even if they have the same maturity date, and shall not be fungible.
4. Stripping/reconstitution may be done at the option of the holder at any time from the date of issuance of a Government security till its maturity.
5. Stripping/reconstitution shall be permitted only in the eligible Government securities held in the Subsidiary General Leger (SGL)/Constituent Subsidiary General Ledger (CSGL) accounts maintained at the Public Debt Office, RBI, Mumbai. Physical securities shall not be eligible for stripping/reconstitution.
6. Holders of Government securities shall place their requests for stripping/reconstitution only with an "Authorized entity".
7. Reserve Bank will not charge any fees on stripping/reconstitution.
8. The amount of securities that could be tendered for stripping/reconstitution shall be a minimum of Rs.1 crore and multiples thereof.
9. These terms and conditions shall come into effect from the date of this Notification.

H. R. KHAN
Executive Director

DEPARTMENT OF GOVERNMENT & BANK ACCOUNTS
CENTRAL DEBT DIVISION
CLAIM SECTION

Mumbai, the 23rd October 2009

In pursuance of Regulation 14 of the Government Securities Regulations, 2007 made by the Reserve Bank of India under Section 32 of the Government Securities Act, 2006 and published in the Gazette No. 228 of December 1, 2007 the following list of securities lost etc., for the month of **September 2009**, in respect of which prima facie ground exists for believing that the securities have been lost and the claim of applicant is just, is hereby advertised. All persons other than the respective claimants named below, who have any claim upon these securities should communicate immediately with Chief General Manager, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government and Bank Accounts, Central Debt Division, Mumbai 400 008.

List

1. Nomenclature of the Loan	2. Security Number	3. Value in Rs./Grams	4. In whose name Issued	5. From what date bearing interest	6. Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value	7. No. and date of order issued
3% Conversion Loan 1946	BY 354337	700.00	Shri Baj Khedawal Udayabhilashi Mandal Mahuda, Kheda	October 1967	Shri Baj Khedawal Udayabhilashi Mandal Mahuda, Kheda	Order No. 1041 dated 25/09/2009 issued by GM(Bkg)
As above	BY 354338	1,000.00	As above	As above	As above	As above
As above	BY 354339	1,000.00	As above	As above	As above	As above
As above	BY 354340	2,000.00	As above	As above	As above	As above
As above	BY 405805	100.00	As above	As above	As above	As above
As above	BY 405806	100.00	As above	As above	As above	As above
As above	BY 405807	1,000.00	As above	As above	As above	As above
As above	BY 405808	1,000.00	As above	As above	As above	As above
As above	BY 405809	1,000.00	As above	As above	As above	As above

S. M. MANE
Manager

TRUSTEES FOOD CORPORATION OF INDIA

New Delhi-110001, the 23rd October 2009

No. CPF.V/21 (3)/2008-09/

In accordance with the Provision contained in Regulation 5 of the Food Corporation of India Contributory Provident Fund Regulations, 1967, the Chairman cum Managing Director is pleased to nominate the following representatives to the Board of Trustees to administer the Corporation's Contributory Provident Fund for a period of two years with effect from the date of notification: -

Sl. No.	Name & Designation	Office where working
1.	Sh. S.K. Yadav, AGM (Vig.)	FCI, Headquarters, New Delhi (FCI Officers Association).
2.	Sh. B.M. Desai, M (A/cs)	FCI. RO. Ahmedabad (BKNK Sangh)
3.	Sh. Beren Barman, TA-I	FCI. RO. Guwahati(BKNK Sangh)
4.	Sh. Swapan Kumar Saha, Manager (Genl)	FCI. ZO(E) Kolkata (BKNK Sangh)
5.	Sh. M. Indu Sekhar, AG.II(D)	FCI. RO. Chennai (FCI Executive Staff Union)
6.	Sh. Bhimrao Dhanabaji Dhote	Transport & Dock Workers Union, Mumbai
7.	Sh. Chandeshwar Singh	Treasurer, FCI Handling Workers Union FSD, Navela, Delhi-40.
8.	Sh. P.K. Nayak	FCI Workers Union, 8585, Arakashan Road, Paharganj, New Delhi-110055.

R. R. AGGARWAL
Secy. FCI CPF Board of Trustees